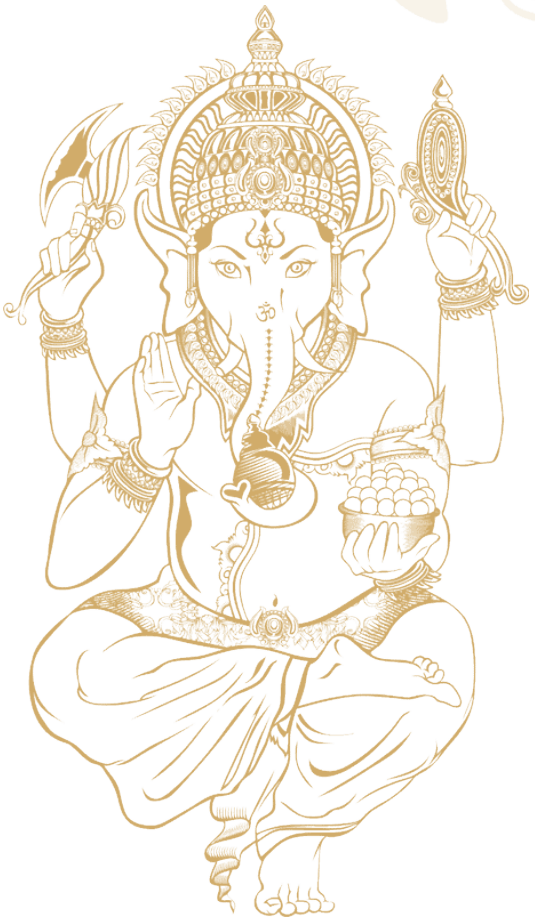

?????

27 Sep 1997

08:10 AM

Alwar

Model: web-freekundliweb

Order No: 120386304

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**27/09/1997**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**08:10:00 घंटे**
इष्ट	04:48:51 घटी
स्थान	**Alwar**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:32:00 उत्तर
रेखांश	76:35:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:23:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:46:20 घंटे
वेलान्तर	00:08:57 घंटे
साम्पातिक काल	08:10:04 घंटे
सूर्योदय	06:14:27 घंटे
सूर्यास्त	18:14:30 घंटे
दिनमान	12:00:03 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	10:12:25 कन्या
लग्न के अंश	04:53:41 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**आश्लेषा - 2**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	सिद्ध
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	मार्जार
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डू-डूंगरमल
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	04:53:41	315:03:54	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	सूर्य	---
सूर्य			कन्या	10:12:25	00:58:52	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	सम राशि
चंद्र			कर्क	20:27:19	11:56:35	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	स्वराशि
मंगल			वृश्चि	04:54:27	00:41:42	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	स्वराशि
बुध			सिंह	27:04:29	01:43:55	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	सूर्य	मित्र राशि
गुरु	व		मक	18:28:20	00:02:12	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	नीच राशि
शुक्र			तुला	23:28:40	01:08:26	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	शनि	स्वराशि
शनि	व		मीन	24:06:01	00:04:31	रेवती	3	27	गुरु	बुध	मंगल	सम राशि
राहु			सिंह	25:54:45	00:01:35	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	शत्रु राशि
केतु			कुंभ	25:54:45	00:01:35	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	11:02:11	00:00:51	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
नेप	व		मक	03:23:44	00:00:24	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	09:33:03	00:01:26	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	06:29:46	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:28

लग्न-चलित

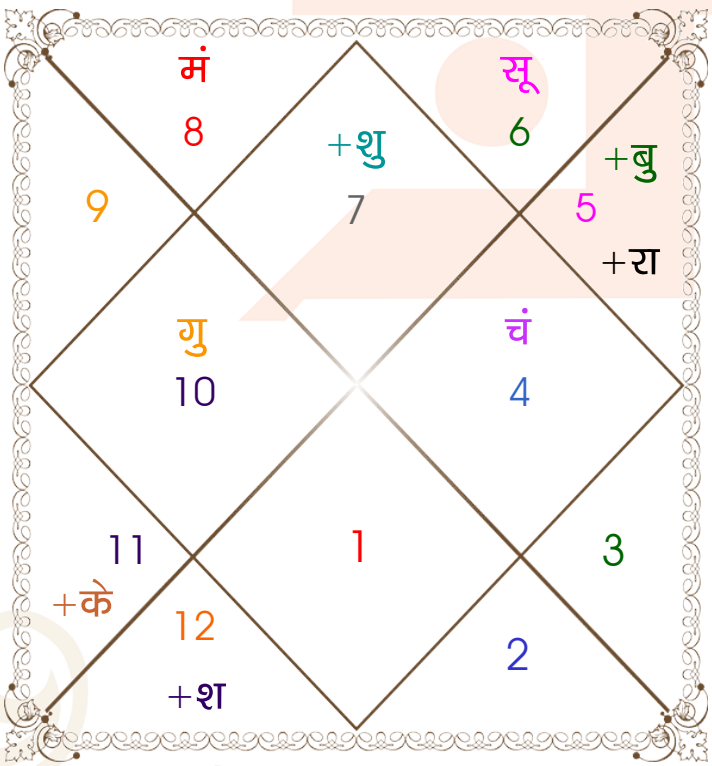

चन्द्र कुंडली

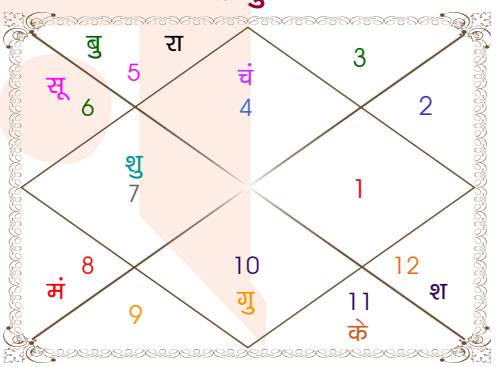

नवमांश कुंडली

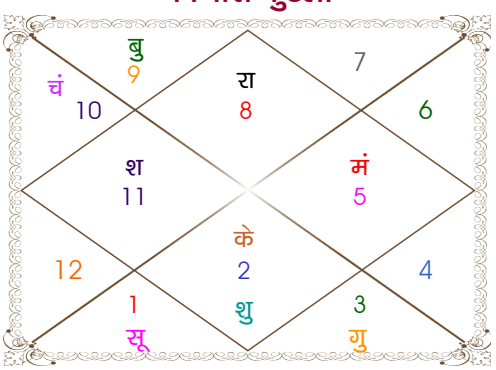

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 12 वर्ष 2 मास 1 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
27/09/1997		28/11/2009		28/11/2016		28/11/2036		28/11/2042	
28/11/2009		28/11/2016		28/11/2036		28/11/2042		28/11/2052	
	00/00/0000	केतु	26/04/2010	शुक्र	29/03/2020	सूर्य	17/03/2037	चंद्र	28/09/2043
	27/09/1997	शुक्र	26/06/2011	सूर्य	29/03/2021	चंद्र	16/09/2037	मंगल	28/04/2044
शुक्र	21/02/1999	सूर्य	01/11/2011	चंद्र	28/11/2022	मंगल	22/01/2038	राहु	28/10/2045
सूर्य	29/12/1999	चंद्र	01/06/2012	मंगल	28/01/2024	राहु	16/12/2038	गुरु	27/02/2047
चंद्र	29/05/2001	मंगल	28/10/2012	राहु	28/01/2027	गुरु	04/10/2039	शनि	28/09/2048
मंगल	26/05/2002	राहु	16/11/2013	गुरु	28/09/2029	शनि	15/09/2040	बुध	27/02/2050
राहु	13/12/2004	गुरु	22/10/2014	शनि	28/11/2032	बुध	23/07/2041	केतु	28/09/2050
गुरु	21/03/2007	शनि	01/12/2015	बुध	28/09/2035	केतु	28/11/2041	शुक्र	29/05/2052
शनि	28/11/2009	बुध	28/11/2016	केतु	28/11/2036	शुक्र	28/11/2042	सूर्य	28/11/2052

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
28/11/2052		28/11/2059		28/11/2077		28/11/2093		29/11/2112	
28/11/2059		28/11/2077		28/11/2093		29/11/2112		00/00/0000	
मंगल	26/04/2053	राहु	10/08/2062	गुरु	16/01/2080	शनि	01/12/2096	बुध	27/04/2115
राहु	14/05/2054	गुरु	03/01/2065	शनि	29/07/2082	बुध	11/08/2099	केतु	23/04/2116
गुरु	20/04/2055	शनि	10/11/2067	बुध	03/11/2084	केतु	20/09/2100	शुक्र	28/09/2117
शनि	29/05/2056	बुध	29/05/2070	केतु	10/10/2085	शुक्र	20/11/2103		00/00/0000
बुध	26/05/2057	केतु	17/06/2071	शुक्र	10/06/2088	सूर्य	01/11/2104		00/00/0000
केतु	22/10/2057	शुक्र	17/06/2074	सूर्य	29/03/2089	चंद्र	02/06/2106		00/00/0000
शुक्र	22/12/2058	सूर्य	11/05/2075	चंद्र	29/07/2090	मंगल	12/07/2107		00/00/0000
सूर्य	29/04/2059	चंद्र	09/11/2076	मंगल	05/07/2091	राहु	18/05/2110		00/00/0000
चंद्र	28/11/2059	मंगल	28/11/2077	राहु	28/11/2093	गुरु	29/11/2112		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 12 वर्ष 2 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगे। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगा। आप अपनी पत्नी के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र के विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगे। आप अपनी पत्नी की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पत्नी के आकर्षक के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकते हैं। संप्रति आप अपनी संगिनी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगे कि आपको एक अच्छी जीवन संगिनी प्राप्त हुई है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि की जीवन संगिनी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि की संगिनी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपनी जीवन संगिनी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगे। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपका संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगे। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगे। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु वृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु आपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।

आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके। यह जानते हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकते हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाते हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकते हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति के हो जाते है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सके तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगा। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।